

आचार्य श्री...

17-8-66

...

...

...

...

...

मा... सुखीन
...
...
...
...
...

...

...

...
...
...
...
...





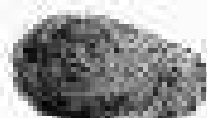
उत्तर प्रदेश LITTA PRADSH

048286

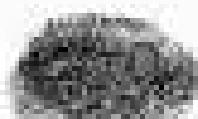
-1-

मिर्जापुर-मान-बुरुक नगर, बगियापुर, पटना- मिर्जापुर,
लहरील व बिला लहनाऊ जिन्हे आगे विप्लवान्ना कहा गया है,
अथवा अथवा पालपुर बाली, मिर्जापुर-मिर्जापुर, मिर्जापुर,
पटना-मनगांव, बिला-मनेहपुर, उधवा जिन्हे आगे कौता कहा गया
है, के साथ विप्लवान्ना कहा गया।

साह कि विप्लवान्ना लहनाऊ बगियापुर लहरील सन् 1408
से 1413 फरवरी के छाता लहरील वम सन् 051 के छाता



1408
1413



1408
1413

आज का दिन, 19.8.56

19.8.56

2

आज का दिन

19

19

आज का दिन

पुनः

किया

व

ह

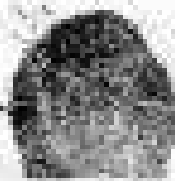
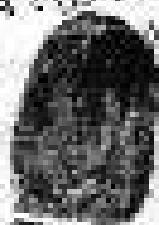
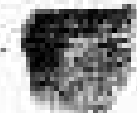
विषय

19

19

19

19





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

048287

-3-

संख्या-77 खन्दा 0.895 हेक्टेयर का 1/2 अर्थात् 0.448 हेक्टेयर, स्थित ग्राम-कुमुन नगर, बगियापूर, पटना-विजयपुर, लखनऊ व जिला-लखनऊ, की मालिक, कामिल व काठिन है, उक्त भूमि विवेकागण की मालिकता में मिली है। उपरोक्त स्थिति वृद्धाधिकार अधिनियम-51 के आधार पर विवेकागण का नाम एडवोकेट अभिलेखों में संश्लेषणीय नृसिंह के रूप में दर्ज हो चुका है। विवेकागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपने पूरे छोटी छोटी

संख्या-77
0.448

संख्या-77
0.448



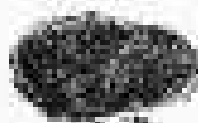
उत्तर प्रदेश UTIAR PRADESH

048285

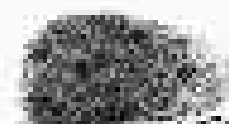


-4-

में बिना किसी और जबरदस्ती या दबाव के, जैसा की इस विषय
मिलेका द्वारा निवेदन कर रहा है विवेकागण उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि
के मालिक, कागित व काबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि
कृषि भूमि है और यह कि विवेकागण यह घोषित करता है कि
उपरोक्त वर्गीकृत भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं शांत व
साफ है तथा विवेकागण ने उसे इस विषय को पूर्ण तह्नी कर,
हिसा, गिरनी का अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि



15/12/20



15/12/20



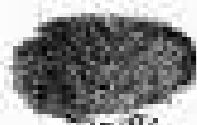
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

048299



- 5 -

या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यालयी के अंतर्गत सिविल का बस्तु विषय नहीं है, न ही मुक्त इत्यादि है। विवेकागम के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वाम्य, हक या इजा इत्यादि नहीं है, एवं विवेकागम को उक्त विवेक अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहायिता के फलस्वरूप रु० 10,62,298/- (दस लाख पचास हजार दो सौ अठ्ठासठ मात्र) के प्रतिफल में, जिसका कि उपरोक्त प्रमाण





- 71896

- 6 -

द्वारा विवेकाग्रण की इस विवेकाग्रण के अन्त में की गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार सुलान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विवेकाग्रण नहीं स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विवेकाग्रण उक्त जेता के द्वारा उपरोक्त वर्णित मुमि, निराकर विवरण इस विवेकाग्रण के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, परे कतहें केन दिया है, एवं विवेकाग्रण ने विवेकाग्रण मुमि का मोक पर कतहें केन को बखूबी केन दिया गया है। अब उक्त

स. ५०
स. ५०

स. ५०
स. ५०



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

611908

-7-

आरक्षणी पर विवेकात्मक तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विवेकात्मक ने विवेकात्मक सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए लेता को हस्तांतरित कर दिया है। अब प्रेषा विवेकात्मक सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने स्वामित्व स्वामित्व व अधिकार व वस्त्रों में सम्पत्ति को लाने में वास्तव एवं उपयोग व उपयोग करेंगे। विवेकात्मक उसमें किसी प्रकार की अक्षय बाधा नहीं बाल सर्वे

10. 10. 10
10. 10. 10

10. 10. 10
10. 10. 10



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 8 -

एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे। और यदि विक्रयशुद्ध सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेतागण के स्वामित्व में ब्रुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी ब्रुटि के कारण प्रोता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या स्वत्व से निकल जायें तो प्रोता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को वह झक होगा कि वह अपना सम्पत्ति नुकसान मय हर्जा व सर्चा, विक्रेतागण की बल, अथवा सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर

13-8/54
21-8/54

13-8/54
21-8/54



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 983051

- 9 -

ले। उस स्थिति में विक्रेतागण एवं उसके वारिसान हजो व लार्वा
बेने हेनु बाध्य होगा।

वह कि मोला विक्रयशुदा सम्पत्ति की दस्तखत छारिज
राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो विक्रेतागण को
कोई आपत्ति न होगी और वह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का
अगर कोई बकाया किसी तरह का भाद इस सम्पत्ति पर होगा तो

11. 12.
25-1-20

04-11-2019/15/20



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 983952



- 10 -

उसकी विक्रीलागण भुगतान व वहन करों, विक्रीलागण को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम घुसुफ नगर, बगियायत, अर्धनगरीन क्षेत्र के सामान्य ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रू० 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विक्रील भूमि 0.448 हेक्टेयर की मालिकत रू० 4,92,800/- होती है। चूंकि विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य



से अधिक है इसलिए निम्नानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 1,06,300/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए तैयार की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मी० के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि शहीद पथ से लगभग 500 मीटर से अधिक की दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण एवं क्रेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय मिलेस के निबन्धन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

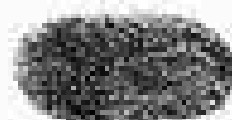
लिहाजा यह विक्रय मिलेस विक्रेतागण ने क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

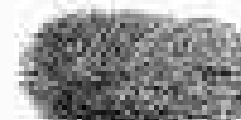
परिशिष्ट : विक्रय विक्रयशुदा सम्पत्ति का विवरण

साधारणित पटवार्धिक छत्तीनी सन् 1408 से 1413 कसली के खाता छत्तीनी क्रम सं० 051 के अक्षरा संख्या-77 रकबा 0.895 हेक्टेअर का 1/2 अर्थात् 0.448 हेक्टेअर, स्थित ग्राम-युसुक नगर, बगियायऊ, पटगना-बिजौर, तहसील व जिला-लखनऊ जिसकी चौकड़ी निम्न है।

अक्षरा न० 77

पूर्व	: अक्षरा संख्या-78 व 81
पश्चिम	: अक्षरा संख्या-76
उत्तर	: अक्षरा संख्या-16 व 17
दक्षिण	: चक रोड


12.8.2018
21/4/20


10/11/2018

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

कुल विक्रय मूल्य रु० 10,62,298/- (दस लाख बासठ हजार दो सौ अठ्ठानवे मात्र) में से सुन्दरा को उसका व उसके नाबालिग पुत्र की विक्रीत जमीन का प्रतिफल रु० 5,31,149/- दो पैंकों को माध्यम से क्रमशः रु० 5,00,000/- व 31,149/- क्रमशः चेक संख्या 457571, 457572 जगदीश को रु० 2,65,574 चेक संख्या 457573, तथा अनन्तराम को रु० 2,65,575 चेक संख्या 457574, सभी चेक दिनांकित 17.06.2006, जारीकर्ता बैंक पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजूरगंज, लखनऊ विप्रेतागण ने क्रेता से प्राप्त किये तथा जिसकी प्राप्ति विक्रता स्वीकार करता है।

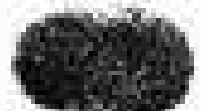
नोट:- इस विलेख के प्रथम पृष्ठ के दूसरी लाइन में अनन्तराम व सुन्दराना नाबालिग लिखा है बाकी कटा हुआ है।

लखनऊ

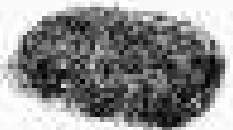
दिनांक: 17.06.2006

गवाह

1. 
Samir Kumar 1/2 Shri F.P. Singh
S-14, Tejinder Commercial Complex


विप्रेतागण

2. 
Harmeet Kumar 1/2 किरदाड़
महाराज बाजार, लखनऊ


क्रेता

टाइपग्राफर



(अमर शाह)

सिविल कोर्ट, लखनऊ

महविदाकर्ता



(सैयद अन्वर हुसैन)

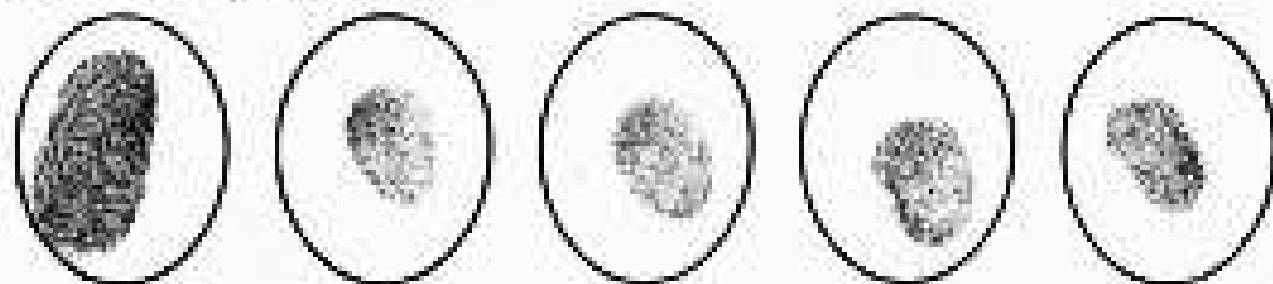
एडमोकोट

रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

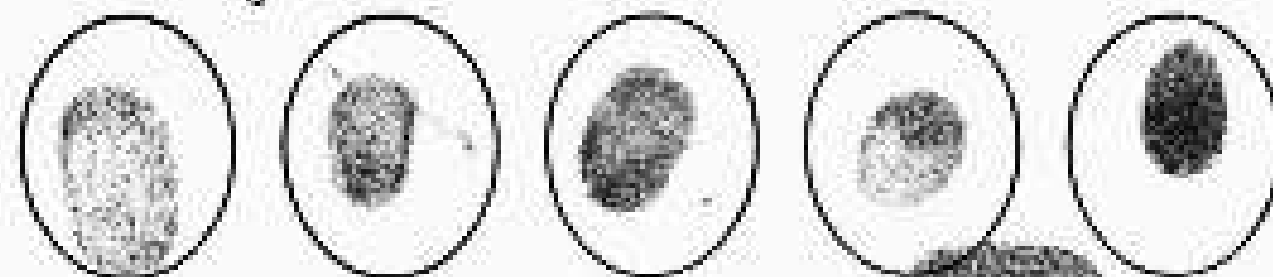
प्रत्युत्कर्ता/विशेष का नाम व पता :- सुभाष चंद्र बोस

सुभाष चंद्र बोस

बायें हाथ के अंगुलिओं के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलिओं के चिन्ह :-



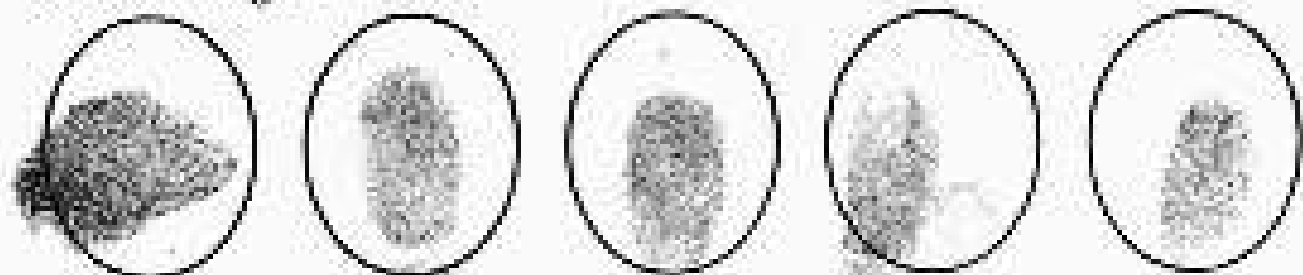
प्रत्युत्कर्ता/विशेष/विशेष/विशेष

विशेष/विशेष का नाम व पता :-

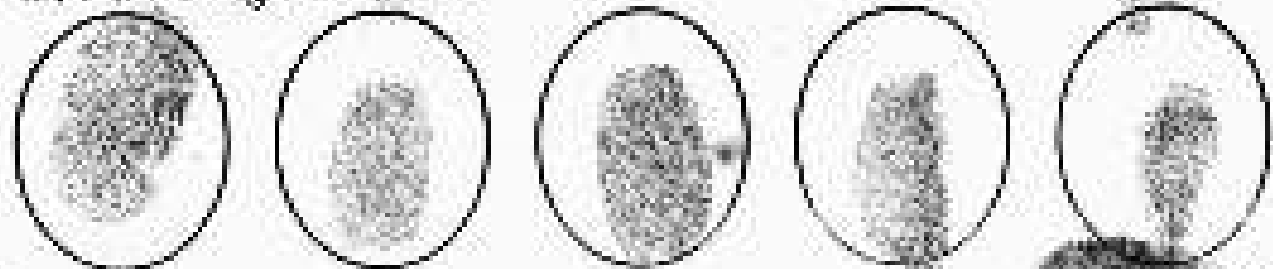
सुभाष चंद्र बोस

सुभाष चंद्र बोस

बायें हाथ के अंगुलिओं के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलिओं के चिन्ह :-



सुभाष चंद्र बोस

जेकब - नजरी

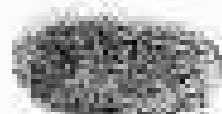
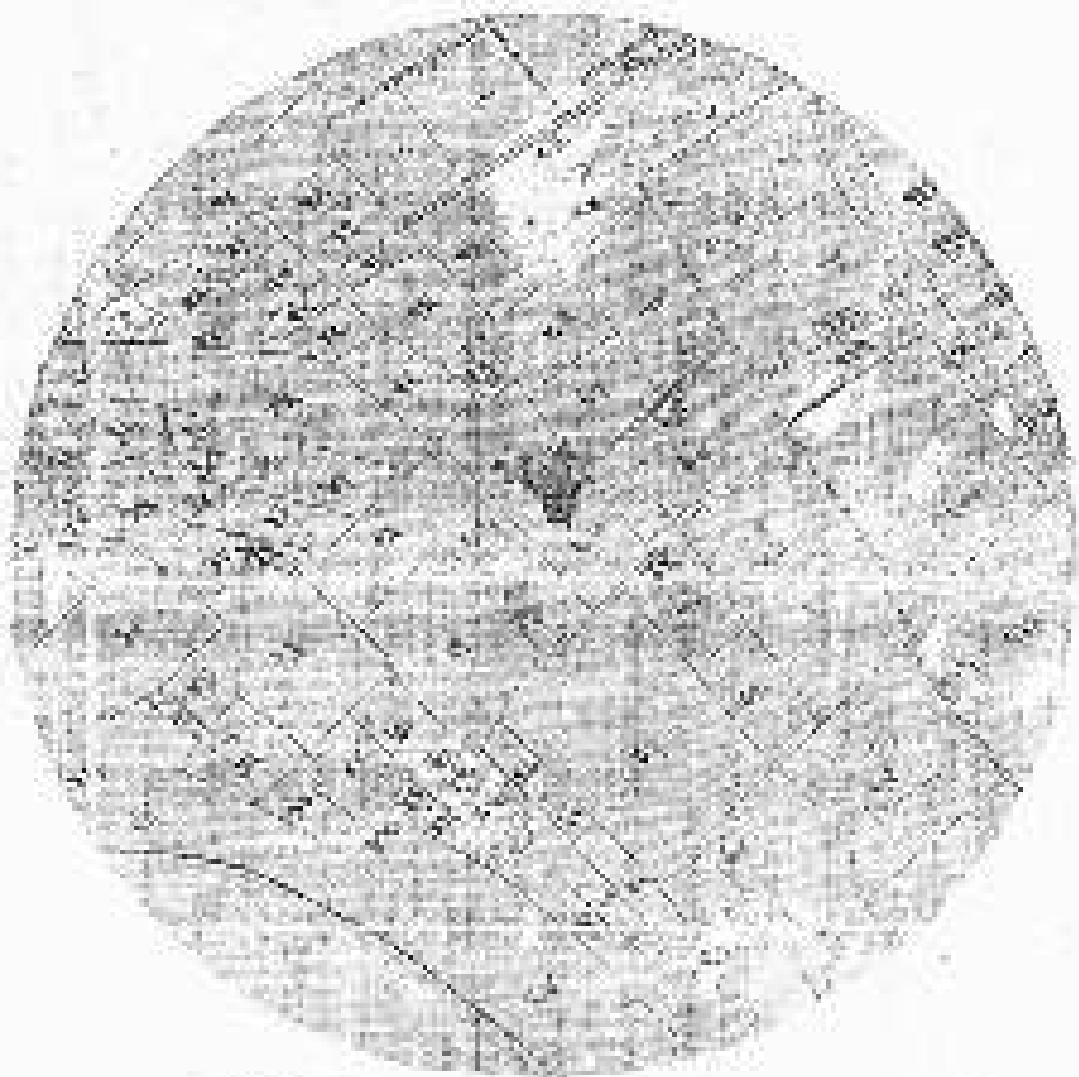
अंश : - छह हजार बीसान्न सयान फ

अंशका : - एक स

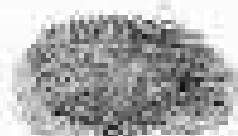
पाकेला : - छह स अंशदी

अंश : - एक स अंश

१०० ई. १०० ई. अंशका विभक्त ताकत मी १०० मी १०० ई.



१०० ई.
१०० ई.



१०० ई.
१०० ई.

12-606
 बाब दिनांक 12-606 को 3648
 मुस्तक हस्ता 12-606 पर
 पृष्ठ 52 पर का हस्ता 5292
 बलिष्ठो हस्त प्रिमा बना ।
 धन विनय (प्रकाश)
 बंधन

